संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

2026–2027

भाग अ परिचय				
कार्यक्रमः डिप्लोमा		**कक्षा : बी.ए.**	**सेमेस्टर: तृतीय**	**सत्र:** 2026.2027
विषय : हिंदी साहित्य (प्रश्नपत्र : माइनर प्रथम)				
1	**पाठ्यक्रम का कोड**			
2	**पाठ्यक्रम का शीर्षक**	**अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग**		
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	M-3 **माइनर कोर्स (**Minor-)		
4	**पूर्वापेक्षा (**Prerequisite)	**इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने कला संकाय के हिंदी साहित्य विषय के साथ प्रमाण पत्र अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।**		
5	**पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (**CLO)	**भावाभिव्यक्ति एवं आपसी-विचार विमर्श के सशक्त माध्यम के रूप में भाषा का वैशिष्ट्य सर्वविदित है। एक भाषा में प्रकट भाव व विचार को दूसरी भाषा में परिवर्तित करने की प्रक्रिया अनुवाद प्रविधि को जन्म देती है। दो भिन्न भाषा बोलने वाले व्यक्तियों को परस्पर संवाद करने के लिए अनुवाद की जरूरत होती है। अतः अनुवाद का संबंध दो भाषाओं से है। पर्यटन-व्यवसाय से जुड़े गाइड अनुवाद के द्वारा ही स्वदेशी या विदेशी लोगों के बीच संपर्क स्थापित करते हैं। धार्मिक और ललित साहित्य के क्षेत्र में अनुवाद की परंपरा प्राचीनकाल से है। आज रामायण, महाभारत, बाइबिल आदि धर्म ग्रंथों के अन्य भाषा-संस्करण अनुवाद मे ही सुलभ हैं। इसी प्रकार बांग्ला, तमिल, तेलुगु तथा अंग्रेजी आदि भाषाओं का साहित्य भी हम आसानी से पढ़ सकते हैं। वैश्वीकरण व संचार क्रांति के युग में अनुवाद की भूमिका को अधिक बढ़ा दिया है। बाजारवाद अनुवादक की आवश्यकता और महत्व को अधिक स्थान दे रहा है। सभी जगह अनुवाद कार्य करने वाले कुशल व्यक्ति की महती आवश्यकता है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए अनुवाद की प्रविधि को समझने हेतु यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है।** **पाठ्यक्रम के अध्ययन से-** **4 विद्यार्थियों में अनुवाद कौशल का विकास होगा।** **5 विद्यार्थी सरकारी विभागों में अनुवादक, न्यायालय में**		

		दस्तावेजजनुवाद-क, सूचना विभाग, संचार माध्यमों में भाषा अनुवादक की आवश्यकता पूर्ति कर सकेगा। 6 विद्यार्थी को पर्यावरण, उद्योग, रेडियो, टीवी समाचार, गैर सरकारीसंगठनों, व्यापारिक प्रतिष्ठानॉएवं राजनीतिक गतिविधियों आदि मॅबतौर भाषण-लेखक एवं अनुवादक के रूप में कार्य मिलने के अवसर प्राप्त हो सकेंगे। 7 वैश्वीकरण के युग में, बाजारवाद के कारण बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को अपने उत्पाद के प्रचार-प्रसार एवं मार्केटिंग हेतु अनुवादकों की आवश्यकता की पूर्ति कर सकेगा। 8 विद्यार्थी को पत्रकारिता के विविध पक्षों, प्रकाशन के क्षेत्र में पुस्तकों के अनुवाद और प्रतिवेदन आदि निर्माण के अवसर उपलब्ध होंगे। 9 भारतीय एवं विश्व साहित्य के अनुवाद क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रास हो सकेंगे। 10 वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य बनाने में सक्षम होंगे।
6	क्रेडिट मान 100	सैद्धान्तिक - 4
7	कुल अंक	100 अंक न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35 सैद्धांतिक मूल्यांकन - 70 अंक आंतरिक मूल्यांकन - 30 अंक

भाग ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या ट्यूटोरियल-प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):3 घण्टे प्रति सप्ताह (L-T-P: 2-0-0)

कुल व्याख्यान: 90

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
इकाई 1	भारतीय ज्ञान परम्परा और अनुवाद अनुवाद की अवधारणा एवं क्षेत्र 1 अनुवादः परिभाषा स्वरूप एवं महत्व 2. अनुवाद के प्रकार - शब्दानुवाद भावानुवाद आशु अनुवाद एवं द्विभाषी प्रविधि	12

	आदि 3. अनुवादक के गुण 4. अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ 5. अनुवाद के क्षेत्र 6. रोजगार की संभावनाएँ गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)- 1. अनुवाद के महत्व पर परिचर्चा। 2. अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर आरेख/चार्ट तैयार करना।	
इकाई 2	अनुवाद की प्रक्रिया: 1. स्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा के अर्थान्तरण की प्रक्रिया, अनूदित पाठ का पुनर्गठन और अर्थ सम्प्रेषण की प्रक्रिया। 2. अनुवाद एवं समतुल्यता का सिद्धांत गतिविधियां (निम्ननिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)- 1. हिंदी के वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद। 2. अंग्रेजी के वाक्यों का हिंदी में अनुवाद।	12
इकाई 3	अनुबाद के उपकरण एवं अनुवाद का सामाजिक सन्दर्भः 1. शब्दकोश 2 समान्तर कोश-थिसॉरस (Thesaurus) 3. पारिभाषिक कोश 4. विश्वकोश कंप्यूटर इंटरनेट 5. समाज संस्कृति एवं अनुवाद के अन्तः संबंध गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)- 1. शब्दकोश के उपयोग का प्रायोगिक अभ्यास । 2. पारिभाषिक कोश के उपयोग का प्रायोगिक अभ्यास ।	12
इकाई 4	विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधानः 1. कार्यालयीन अनुवाद 2. वाणिज्यिक अनुवाद 3. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद	12

	4. साहित्यिक अनुवाद एवं मानविकी के क्षेत्र में अनुवाद **5. जनसंचार माध्यमों एवं विज्ञापन के क्षेत्र में अनुवाद** **गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)-** **1. पारिभाषिक शब्दों के अनुवाद का अभ्यास ।** **2. पारिभाषिक शब्दों का संकलन मानविकी, प्रशासनिक, वाणिज्यिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी।**	
इकाई 5	**(अ) अनुवाद का पुनरीक्षण सम्पादनऔर मूल्यांकन:** **1. पुनरीक्षण** **2. सम्पादन** **3. मूल्यांकन** **(ब) ट्यूटोरियल:** **हिन्दी से अंग्रेजी अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवादः** **गद्यानुवाद - किसी अनुच्छेद का अनुवाद कार्यालयीन शब्दावली एवं वाक्यों का अनुवाद** **गतिविधियां (निम्नलिखित में से किसी एक गतिविधि को संपन्न किया जाना है)-** **1. अनुवाद के सम्पादन का अभ्यास ।** **2. अनुवाद के पुनरीक्षण का अभ्यास ।**	**12**
सार बिंदु (की बर्ड)/टैग: अनुवाद विज्ञान स्रोत भाषा लक्ष्य भाषा अर्थांतरण समतुल्यता थिसॉरस शब्दकोश पारिभाषिक कोश पुनरीक्षण आदि		
भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री: **पाठ्य पुस्तकें -** 1 **आनंद इंद्रनाथ- सरल अनुबाद शिक्षाए मल्होत्रा ब्रदर्सए दिल्लीए सं.** 1955 2 **गोपीनाथन जी अनुवाद सिद्धान्तऔर प्रयोगए लोक भारती प्रकाशनए इलाहाबाद** 3 **गोपीनाथन जीए कंदस्वामीए एस अनुवाद की समस्याएँए लोक भारती प्रकाशनए इलाहाबाद** 4 **तिवारी डॉ. भोलानाथ अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँए शब्दकारए दिल्लीए सं.** 1978 5 **नारायण डॉ. अनुवाद और उत्तर-आधुनिक अवधारणाएँए लोकभारती प्रकाशन** 6 **नरेंद्र डॉ. अनुबाद विज्ञान हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालयए दिल्ली विश्वविद्यालयए दिल्ली** 7 **पांडे हेमचन्द्र अनुबाद शास्त्रः व्यवहार से सिद्धांत की ओरए तक्षशिला प्रकाशनए नईदिल्लीए सं.** 2008		

8 **पालीवाल डॉ. रीतारानी अनुवाद प्रक्रिया**ए **ललित प्रकाशन**ए **दिल्ली**ए **सं.** 1982

9**भाटिया डॉ. कैलाशचन्द्र अनुवाद कलाः सिद्धान्त और प्रयोग तक्षशिला प्रकाशन**ए **नईदिल्ली**ए **सं.** 1998

अनुशंसित वेबसाइट एवं डिजिटल संपर्क-सूत्र :

1. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Library of India)
2. http://ignou.ac.in/eGyankosh
3. https://www.swayam.gov.in/
4. https://epustakalay.com
5. https://hindivishwa.org/
6. https://ugcmoocs.inflibnet.ac.in/
7. https://www.youtube.com

भाग द- अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियाँ

अधिकतम अंक 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) **अंक:** 30 **मुख्य परीक्षा (**ME) **अंक:** 70

आंतरिक मूल्यांकन **सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE)		
आंकलनः **मुख्य परीक्षा** **समय** 03.00 **घंटे**	**अनुभाग (अ): अति लघुप्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)** **अनुभाग (ब): लघुप्रश्न (प्रत्येक 200 शब्द)** **अनुभाग (स): दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)**	

अन्य कोई टिप्पणी/सुझाव :